PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Friday, 21st January 2011, Page: 1
Width: 18.75 cms Height: 14.31 cms, Ref: pmin.2011-01-21.42.1

मुश्किल हुआ इलाज ◆ एक महीने में 10-15% तक और बढ़ सकते हैं दाम

जेनरिक दवाएं 20% महंगी

महेंद्र सिंह ◆ नई दिल्ली

महंगी पेटेंट दवाओं के बाद अब सस्ती जेनरिक दवाएं भी आम आदमी की पहुंच से दूर हो रही हैं। बीते दो माह में जेनरिक दवाओं की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। दवा निर्माता कंपनियों का कहना है कि पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में जेनरिक दवाएं अगले एक माह में 10 से 15 फीसदी तक और महंगी हो सकती हैं। इस बीच, कच्चे माल की कीमतें और पैकेजिंग लागत बढ़ने का हवाला देते हुए आल इंडिया ड्रग मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन ने कंट्रोल्ड दवाओं की कीमतें बढ़ाने के लिए 15 दिन पहले नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) को एक प्रस्ताव सौंपा है। एनपीपीए की मंजूरी के साथ कंट्रोल्ड दवाओं की कीमतें भी सात फीसदी तक बढ़ सकती हैं।

दिल्ली के भगीरथ पैलेस में दवाओं के थोक बाजार स्थित एक विक्रेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पिछले दो माह में जेनरिक दवाओं की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा कीमतें एंटीबॉयोटिक्स की बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि दो माह पहले सिप्रोफ्लॉक्सासिन 250 मिली ग्राम की 200 टेबलेट 110 रुपये की थी। इसकी कीमत बढ़ कर 120 रुपये प्रति 200 टेबलेट हो गई है। इसी तरह एरीथ्रोमाइसिन 250 मिली ग्राम की 100 टेबलेट 110 रुपये की थी। इसकी कीमत बढ़ कर 140 रुपये प्रति 100 टेबलेट हो गई है।

दवा	मात्रा	दो माह पहले	मौजूदा कीमत
सिप्रोफ्लॉक्सासिन	250 मिली ग्राम 200 टेबलेट	₹110	₹120
एरीथ्रोमाइसिन	250 मिली ग्राम 100 टेबलेट	₹110	₹140

लागत का असर

- **पेट्रोलियम** आधारित कच्चे माल के दाम बढ़ने से लागत पर दबाव
- **कच्चे** माल के साथ-साथ पैकेजिंग की भी बढ़ रही है लागत
- **कंट्रोल्ड** दवाओं के दाम बढ़ाने के लिए एनपीपीए को भेजा प्रस्ताव
- **मंजूरी** मिली तो कंट्रोल्ड दवाओं की कीमतें भी सात फीसदी तक बढ़ेंगी

दिल्ली जेनरिक ड्रग्स मेडिसिन डीलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट दर्शन सिंह मित्तल ने जेनरिक दवाओं की कीमतें बढ़ने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अगले एक माह में जेनरिक दवाओं की कीमतों में 10 से 15 फीसदी तक और इजाफा हो सकता है।

हरियाणा ड्रग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट और आल इंडिया ड्रग मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के सदस्य बीके गुप्ता ने भी अगले कुछ दिनों में जेनरिक दवाओं की कीमतें बढ़ने की बात कही है। पेटेंट दवाओं की कीमतों के बारे में गुप्ता ने कहा कि हमने पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल और पैकेजिंग लागत बढ़ने का हवाला देते हुए एनपीपीए को कंट्रोल्ड दवाओं की कीमतें बढ़ाने का प्रस्ताव सौंपा है। उन्होंने कहा कि एनपीपीए की मंजूरी के बाद कंट्रोल्ड दवाओं की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ सकती हैं।

जेनरिक दवाएं पेटेंट दवाओं के फार्मूले पर ही बनती हैं। इसे बनाने के लिए दवा निर्माता कंपनियों को शोध एवं विकास पर खर्च नहीं करना पड़ता। इसलिए ये दवाएं पेटेंट दवाओं के मुकाबले काफी सस्ती होती हैं। हालांकि जेनरिक दवाएं पेटेंट दवाओं के समान ही कारगर होती हैं।